भाग्यं भवति कर्मणा

आपका मासिक राशिफल माह, जुलाई, 2013

मेषः– चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ

एकत्रित यात्रा प्रकरण मिश्रित परिणाम के सूचक सिद्ध होंगे। अप्रिय वचन बोलकर आप पारिवारिक सदस्यों से मतभेद की स्थिति स्वयं पैदा करेंगे। नेत्र रोग, दांत सम्बन्धी रोगों का वातावरण बन सकता है। टेक्नीकल कारोबार सम्बन्धी कार्य योजनाओं का सरलता से क्रियान्वयन होगा। जीवन साथी के साथ वैचारिक मतभेद की स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। माह का प्रथम सप्ताह कठिनाइयों का सूचक है। तारीख 1, 2, 3, 6, 7, 8, 14, 15 राहत कारक है। हनुमान जी की अराधना से लाभ प्राप्त होगा।

प्रातः कालीन ग्रह स्थिति – 01 जुलाई

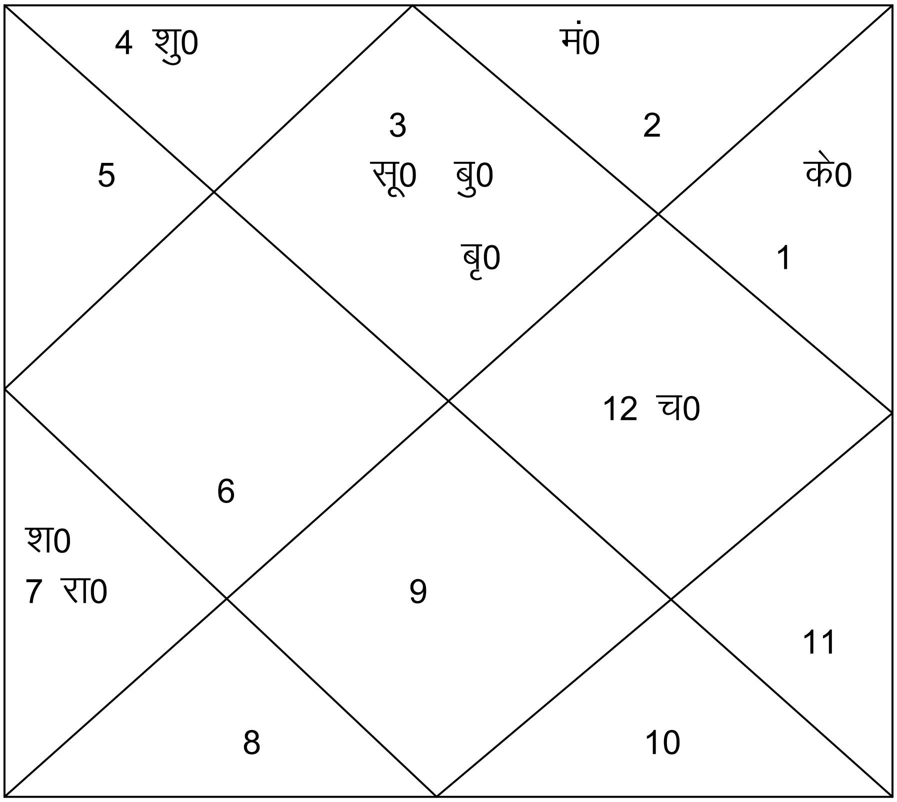

वृषः— ई, ऊ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो

गीत, संगीत, अभिरुचि मन से बाहर आ सकती है। सरदर्द, चोट, चपेट की स्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। लाभ और खर्च के मध्य का असंतुलन संतुलन मे बदलता प्रतीत होगा। वाद–विवाद की स्थितियो मे संयमित रहकर काम लेना हितकर होगा। आप द्वारा कैरियर की दिशा मे किये गये प्रयोग आंशिक लाभकारक सिद्ध होंगे। महिला मित्र मन्डली के सहयोग के चलते शिक्षा सम्बन्धी मामलो मे प्रगति पथ निर्धारित होंगे। बातचीत मे असावधानी पारिवारिक तनाव के मार्ग प्रसस्त करेगा। तारीख 3, 4, 5, 8, 9, 10, 16, 17 उत्तम सूचक प्रतीत होगी। अरिष्ट निवारण के लिये ऊँ शुं शुक्राय नमः मंत्र का जप 108 बार करना उत्तम होगा, लाभ मिलेगा।

मिथुनः— का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, हा

नेत्र सम्बन्धी रोगों से शारीरिक कष्ट की अनुभूति होगी। जीविकोपार्जन सम्बन्धी समस्याओं का निस्तारण सरलता के साथ करेंगे। प्राविधिक शिक्षा सम्बन्धी कार्यों मे आपकी संलग्नता प्रगति पथ निर्धारित कर सकती है। स्त्री पक्ष के सहयोग के कारण कई बिगड़ते कार्य बनते प्रतीत होंगे। भोजन व्यवस्था मे सादगी भरा भोजन ही बेहतर प्रतीत होगा। विरोधियों की सक्रियता पर आप कारगर कदम उठाने की स्थिति मे रहेंगे। जीवन संगिनी के साथ समय का सदुपयोग करने मे कमी प्रतीत होगी। साझेदारी मे किसी भी प्रकार का व्यवसाय तकलीफ देय सिद्ध होगा। तारीख 6, 7, 8, 11, 12, 13, 18, 19, 20 शुभकारक प्रतीत होगी। अरिष्ट निवारण हेतु बुधवार को किसी हिजड़े को सुहाग सामग्री, हरी साड़ी देना हितकर होगा।

कर्कः– ही, हू, हे, डा, डी, डू, डे, डो, हो

शुभ सूचक कार्य व्यय भार के अतिरिक्त श्रोत निर्धारित करेंगे। कुसंगति की कृपादृष्टि के चलते मानसिक तनाव की रुप रेखा निर्धारित होगी। मानसिक रुप से किसी भी विषय पर कठोरतम और दन्डात्मक कार्यवाही के पक्षधर रहेंगे। आप द्वारा पूरे माह तरल पदार्थों का अधिकाधिक सेवन भी होगा। धार्मिक आस्था अनास्था मे परिवर्तित हो सकती है। माह के प्रथम सप्ताह मे राजद्वारीय मामलो मे आपेक्षित सफलता प्राप्त होगी। राजनैतिक जन सम्पर्कों से प्रगति पथ निर्धारित होंगे। ग्रहस्थ आश्रम के अनुभव सुखद होंगे। तारीख 1, 2, 3, 4, 5, 6, 8, 9, 10 प्रगति कारक है। अरिष्ट निवारण के लिये ऊँ चन्द्राय नमः मन्त्र का जप करना उत्तम होगा।

सिंहः– मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे

मिश्रित परिणाम दायक यात्रा प्रकरणो की अधिकता प्रतीत होगी। सौन्दर्य प्रसाधन सामग्री की खरीद फरोख्त पर व्यय भार के अतिरिक्त श्रोत निर्धारित होंगे। राजकीय कामकाजो की दशा और दिशा निर्धारित करने के प्रयासों को बल मिलेगा। धनागम सम्बन्धी कार्य योजनायें विस्तार रुप ले सकती हैं। खट्टे, मीठे, स्वाद के साथ ग्रहस्थ आश्रम चलता फिरता प्रतीत होगा। माह का दूसरा सप्ताह जोखिम पूर्ण निर्णयों का सूचक सिद्ध होगा। रचनात्मक क्रिया–कलापों के चलते सामाजिक ख्याति अर्जित करेंगे। संतान पक्ष के स्वास्थ्य के प्रति सावधानी बरतना हितकर रहेगा। शेयर मार्केट कमोडिटी बाजार आदि से लाभ की उम्मीद न करें। तारीख 3, 4, 5, 6, 7, 8, 11, 12, 13 शुभप्रद है। अरिष्ट निवारण के लिये प्रति दिन सूर्योदय तथा सूर्यास्त के समय सूर्य जी को प्रणाम करें उत्तम होगा।

कन्याः– टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो

ईश्वरीय आस्था अनास्था के रुप मे परिवर्तित होगी। किसी धार्मिक यात्रा मे अनायास अवरोध आ सकते हैं। गीत, संगीत, नृत्य आदि के कार्यों मे आपकी शानदार भागीदारी सुनिश्चित होगी। युवा वर्ग की सहयोगी भावना के चलते रोजी, रोटी की दिशा मे किये गये प्रयास सार्थक सिद्ध होंगे। आपकी भाषा शैली का प्रयोग पारिवारिक सदसयों को परेशानी मे डालने वाला प्रतीत होगा। व्यापार मे छोटे–छोटे मामले सुगमता के साथ सम्पन्न होंगे। लाभ और खर्च के बीच का संतुलन मानसिक तनाव का वातावरण बनायेगा। माह की शुरुआत मे ग्रहस्थ जीवन के अनुभव सुखद होंगे। तारीख 1, 6, 7, 8, 9, 10, 14, 15, 16 उन्नतिकारक प्रतीत होंगे। अरिष्ट निवारण के लिये मां दुर्गा की उपासना करना हितकर सिद्ध होगा।

तुलाः– रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, ते

विपक्षियों के साथ भी सामन्जस्य स्थापित करने के प्रयास सार्थक दिशा की ओर अग्रसर होंगे। शनि और मंगल मे षडाष्टक योग यात्रा के दौरान कठिनाइयों की ओर संकेत करते हैं। अचानक किसी धार्मिक आयोजन मे आपकी भागीदारी सुनिश्चित होगी। रोजगार, कैरियर आदि के क्षेत्र मे प्रगति पथ निर्धारित होंगे। स्त्री पक्ष से अधिकाधिक सहयोग प्राप्त करने मे सफल सिद्ध होंगे। लेखन, पत्रकारिता आदि सम्बन्धी कामकाज आंशिक सफलता की ओर संकेत करते हैं। अपनी आलसी प्रवृत्ति को त्यागकर कर्मवादी व्यक्तित्व के धनी बनिये लाभ मे रहेंगे। तारीख 2, 3, 8, 9, 10, 11, 12, 13 प्रगति सूचक प्रतीत होंगी। अरिष्ट निवारण के लिये 600 ग्रा0 शुद्ध देशी घी सुयोग्य पात्र को दान करना उत्तम होगा। लाभ मिलेगा।

वृश्चिकः– तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू

ग्रहस्थ जीवन की समस्यायें सुलझाने में विफलता ही हाथ आयेगी। व्यापार मे किसी भी तरह का अतिरिकत पूंजी निवेश घातक रुप ले सकता है। आपकी राशि पर बनता हुआ पाप मिश्रित अधियोग कई तरह की कठिनाइयां उत्पन्न करेगा। ईश्वर अराधना मे आपकी संलग्नता राहत प्रदान करने वाली सिद्ध होगी। माह के दूसरे सप्ताह मे जीविका मामलो मे उन्नति होगी। राज्य प्रशाशनिक अधिकारियों से सहयोग भी प्राप्त कर सकते हैं। अनियन्त्रित खर्च के अतिरिक्त श्रोत मनः स्थिति को प्रभावित कर सकते हैं। कठिनाइयों के साथ शत्रु विरोध को कम करने मे सफल रहेंगे। तारीख 1, 2, 3, 4, 5, 11, 12, 13 प्रगति सूचक सिद्ध होगी। अरिष्ट निवारण हेतु गुड़ से बना हुआ हलवा और लड्डू बच्चों को खिलाएं लाभ होगा।

धनुः– ये, यो, भा, भी, भू, ध, फ, ढ़, भे

भागदौड़ और व्यस्तता की अधिकता के कारण शारीरिक कष्ट प्राप्त होगा। प्रापर्टी सम्बन्धी कामकाज सरलता के साथ सम्पन्न होंगे। उपहार लाभ प्राप्त होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है। आंशिक कठिनाइयों के साथ ग्रहस्थ जीवन चलता रहेगा। वित्तीय कार्य योजनाओं को निर्णायक मोड़ पर पहुंचाने की प्रक्रिया बेहद गतिशील रहेगी। धन लाभ प्राप्त करने के सुअवसरों का लाभ प्राप्त होगा। जीवन साथी का सौम्य आचरण आपको तथा परिवार को प्रभावित कर सकता है। माह के तीसरे सप्ताह मे रोजी रोजगार के नवीन अवसर उपलब्ध होंगे। कैरियर भी बेहतर रहेगा। तारीख 13, 14, 15, 16, 17, 18, 20, 21, 22 उन्नति सूचक है। अरिष्ट निवारण के लिये तीन बृहस्पतिवार को घोड़े को चने की दाल और गुड़ खिलायें, लाभ प्राप्त होगा।

मकरः— भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी

पठन—पाठन कार्यक्रम मे आंशिक सफलता प्राप्त होगी। माह के पहले सप्ताह मे विपक्षी भी आपको सहयोग करने के लिये विवश रहेंगे। आप द्वारा पेय पदार्थों का अधिकाधिक सेवन बढ़ेगा। सफल व्यवसायिक यात्रा के सुअवसर भी उपलब्ध होते प्रती होंगे। जीवन संगिनी के साथ मधुरतम पलों को बेहतर सदुपयोग होगा। कब्ज, गैस, आदि से शारीरिक कष्ट का सामना करना पड़ सकता है। हास—परिहास, विनोद प्रिय वातावरण मे कमी आती प्रतीत होगी। इस माह व्यवसायिक कार्य योजनाओं को विस्तार रुप देने मे सफल सिद्ध होंगे। भोजन व्यवस्था का भी विस्तार होगा। तारीख 6, 7, 8, 9, 10, 16, 17, 18 उत्तम सूचक है। अरिष्ट निवारण हेतु काले कपड़े मे 800 ग्राम लकड़ी का कोयला बांधकर उसमे नारियल रखकर जल मे प्रवाहित करें लाभ होगा।

कुम्भः— गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा

प्रतियोगी परीक्षाओं के परिणाम से आप सन्तुष्ट नजर आयेंगे। हास, परिहास की स्थितियों से मानसिक रुप से प्रसन्नचित रहेंगे। सिनमा मनोरंजन आदि के सिलसिले मे सैर सपाटा की सम्भावना पाई जाती है। विरोधियों के साथ तालमेल स्थापित करने के प्रयास सार्थक सिद्ध होंगे। जीविकोपार्जन सम्बन्धी समस्याओं का कठिनाइयों के साथ समाधान प्रतीत होगा। अनायास माह के प्रथम सप्ताह मे किसी मित्र से मुलाकात का हर्ष रहेगा। किसी धार्मिक मांगलिक कृत्य मे आप मानसिक रुप से खुशी से शामिल होंगे। व्यवसाय मे आंशिक प्रगति होगी। तारीख 2, 3, 8, 9, 10, 11, 12, 13 शुभकारक है। अरिष्ट निवारण के लिये ऊँ नित्याय नमः मन्त्र का 108 बार जप करना उत्तम होगा।

मीनः— दी, दू, थ, झ, अ, दे, दो, चा, ची

पारिवारिक उथल—पुथल की संभावना से इन्कार नही किया जा सकता है। रोजगार कैरियर आदि से जुड़े हुये मामलो मे उन्नति होगी। भोग विलास, मनोरंजन आदि के अनेक सुअवसर उपलब्ध होंगे। माह का पहला सप्ताह राजनैतिक हित साधने की दिशा मे अति उत्तम प्रतीत होगा। गम्भीर और गूढ़ विषयों के अध्ययन की जिज्ञासा मन से बाहर आ सकती है। ग्रहस्थ आश्रम की उपलब्धियां नही के बराबर प्रतीत होंगी। कठिन से कठिन कार्यों मे भी आपका आत्मविश्वास बरकरार रहेगा। तारीख 4, 5, 6, 11, 12, 13, 14, 15 शुभ सूचक सिद्ध होगी। अरिष्ट निवारण के लिये ऊँ जीवाय नमः मन्त्र का जप 108 बार करना हितकर प्रतीत होगा।

माह के व्रत पर्व और त्यौहारः—

1. योगिनी एकादशी व्रतम्, स्मार्तानाम, सर्वार्थ सिद्धि योग रात्रि मे 10 बजकर 28 मिनट तक, 03 जुलाई, बुधवार।
2. योगिनी एकादशी व्रतम् वैष्णवा नाम, 04 जुलाई, बृहस्पतिवार।
3. श्राद्ध की अमावस्या, 07 जुलाई रविवार।
4. स्नान—दान की अमावस्या, हल हारिणी अमास्या, 08 जुलाई, सोमवार।
5. रथ यात्रा द्वितीया, श्री राम बलराम रथोत्सव, (जगन्नाथ पुरी), दूर्वादर्शन द्वितीया, मनोरथ द्वितीया (बंगाल), मु0 रोजा शुरु, 10 जुलाई, बुधवार।
6. श्री वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रतम्, रवियोग दिन मे 04 बजकर 09 मिनट तक, 12 जुलाई, शुक्रवार।
7. श्री सकन्द षष्ठी, कुमार षष्ठी, कर्दम षष्ठी, (बंगाल), 14 जुलाई, रविवार।
8. महिषहनी व्रत अष्टमी, री परशुरामाष्टमी, उड़ीसा, खची पूजा त्रिपरा, 16 जुलाई, मंगलवार।
9. मेला शरीफ भगवती (काश्मीर), रवियोग सम्पूर्ण दिन, 17 जुलाई, बुधवार।
10. मन्वादि दसमा, गिरिजा पूजा दसमी, आशा दसमी, सोमपदा दसमी, 18 जुलाई, गुरुवार।

11. हरिशयनी एकादषी व्रतम् सर्वेषाम् रात्रि श्री विष्णु शयनोत्सव, 19 जुलाई, शुक्रवार।
12. शनि प्रदोष त्रयोदशी व्रतम् शाक व्रतारम्भ, चातुर्मास व्रत, यम नियमारम्भः, श्रीकृष्ण द्वादशी, वामनपूजा, 20 जुलाई, शनिवार।
13. स्नान दान और व्रत की पूर्णिमा, गुरु पूर्णिमा, कोकिला पूर्णिमा व्रतम्, मेला ज्वालामुखी (काश्मीर), 22 जुलाई, सोमवार।
14. थ्दन मे 05 बजकर 05 मिनट से पंचक प्रारम्भ, अशून्य शयन द्वितीया व्रतम्, 24 जुलाई, बुधवार।
15. श्री संकष्ठी गणेश चतुर्थी व्रतम्, चन्द्रोदय रात्रि मे 08 बजकर 40 मिनट पर, 25 जुलाई, गुरुवार।
16. पंचक समाप्त रात्रि मे 03 बजकर 38 मिनट पर, रवियोग रात्रि मे 03 बजकर 38 मिनट तक, 28 जुलाई, रविवार।
17. श्रावण मासीय व्रत सोमवार, शीतला सप्तमी (उड़ीसा), 29 जुलाई, सोमवार।
18. भौमव्रत, दुर्गायात्रा और हनुमत दर्शन, 30 जुलाई, मंगलवार।

पंडित आनंद अवस्थी

पं0 आनन्द अवस्थी : पटेल नगर कालोनी बछरावां,
रायबरेली डी–79, साउथ सिटी, लखनऊ, लखनऊ एम0बी0 नं0– 9450460208

Website- www.aarshjyotish.in, ----E-mail : panditanandawasthi@aarshjyotish.in